
Mahanirvanatantre Sadashivadhyanam 2

महानिर्वाणतन्त्रे सदाशिवध्यानं २

Document Information

Text title : Sadashiva Dhyanam 2

File name : sadAshivadhyAnam2.itx

Category : shiva, dhyAnam

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : mahAnirvANatantram | 14| 32.2-38 ||

Latest update : August 6, 2025

Send corrections to : [sanskrit at cheerful dot c om](mailto:sanskrit@cheerful dot c om)

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 6, 2025

sanskritdocuments.org

—
महानिर्वाणतन्त्रे सदाशिवध्यानं २
—



ध्यायेत्सदाशिवं शान्तं चन्द्रकोटिसमप्रभम् ॥ १।२॥

व्याघ्रचर्मपरीधानं नागयज्ञोपवीतिनम् ।

विभूतिलिप्तसर्वाङ्गं नागालङ्कारभूषितम् ॥ २॥

धूम्रपीतारुणश्वेतरक्तैः पञ्चभिराननैः ।

युक्तं त्रिनयनं विभ्रज्जटाजूटधरं विभुम् ॥ ३॥

गङ्गाधरं दशभुजं शशिशोभितमस्तकम् ।

कपालं पावकं पाशं पिनाकं परशुं करैः ॥ ४॥

वामैर्दधानं दक्षैश्च शूलं वज्राङ्कुशं शरम् ।

वरञ्च विभ्रतं सर्वैर्देवैर्मुनिवरैः स्तुतम् ॥ ५॥

परमानन्दसन्दोहोल्लसत्कुटिललोचनम् ।

हिमकुन्देन्दुसङ्काशं वृषासनविराजितम् ॥ ६॥

परितः सिद्धगन्धर्वैरप्सरोभिरहर्निशम् ।

गीयमानमुमाकान्तमेकान्तशरणाप्रियम् ॥ ७॥

॥ इति महानिर्वाणतन्त्रे सदाशिवध्यानं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ महानिर्वाणतन्त्रम् । १४। ३२.२-३८ ॥

- .. mahAnirvANatantram . 14. 32.2-38 ..

Encoded and proofread by Ruma Dewan

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

